THE TIMES OF INDIA

7.9.2023

HAU awarded for research on mustard

Hisar: Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (CCSHAU) has been conferred with the best centre award for its contribution in mustard research and development. HAU vice-chancellor B R Kamboj said the award was presented by Sanjeev Kumar Gupta, assistant director general (oilseeds and pulses), Indian Council of Agricultural Research (ICAR), during the annual meeting of the All India Raya and Mustard Research Workers in Jammu.

The VC said the team of oilseeds scientists of the university had recently developed two new improved varieties of mustard – RH 1424 and RH 1706. Both varieties are high yielding and rich in oil content and will be helpful in increasing oilseeds productivity, he said. TNN

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	7.9.23	9	3-8

सरसों की आरएच 1424 व आरएच 1706 नामक दो नई उन्नत किस्में विकसित

हकृवि को सरसों में उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए सर्वश्रेष्ठ केंद्र अवार्ड से नवाजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को सरसों अनुसंधान एवं विकास कार्यों में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए सर्वश्रेष्ठ केन्द्र अवार्ड से नवाजा गया है। यह अवार्ड राया-सरसों अनुसंधान निदेशालय द्वारा जम्मू में आयोजित अखिल भारतीय राया एवं सरसों अनुसंधान कार्यकताअरं की वार्षिक बैठक में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के सहायक महानिदेशक (तिलहन व दाल) डॉ. संजीव कुमार गुप्ता ने प्रदान किया।

हिसार। हकृवि के तिलहन वैज्ञानिकों की टीम कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ। फोटो: हरिभूमि

अब तक 21 किस्में विकसित की

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि सरसों अनुभाग के वैज्ञानिकों की टीम अब तक राष्ट्रीय व प्रदेश स्तर पर 21 किस्में विकसित कर चुकी है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2018 में विकसित की गई किस्म आरएच 725 हरियाणा के अलावा राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली व बिहार राज्यों में बहुत लोकप्रिय है, जिसकी किसान 25-30 मण प्रति एकड़ आसानी से उपज प्राप्त कर रहे हैं।

कुलपति ने तिलहन वैज्ञानिकों को दी बधाई

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय के तिलहन वैज्ञानिकों की टीम ने हाल ही में सरसों की आरएच 1424 व आरएच 1706 नामक दो नई उन्नत किस्में विकसित की है। पैदावार व तेल की मात्रा में ये दोनों किस्में बहुत बेहतरीन है जो सरसों उगाने वाले राज्यों में तिलहन उत्पादकता बढ़ाने में बहुत सहायक होगी। उन्होंने इस उपलब्धि पर तिलहन वैज्ञानिक डॉ. राम अवतार सहित उनकी टीम को बधाई दी। साथ ही भविष्य में इसी प्रकार गुणवत्ताशील अनुसंधान जारी रखने के लिए प्रेरित किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने उम्मीद जताई कि सरसों की यह नई किस्में अपनी विशिष्ट विशेषताओं के कारण सरसों उत्पादक राज्यों में बहुत लोकप्रिय होंगी।

यह रहे उपस्थित

इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, तिलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. करमल सिंह सहित डॉ. श्वेता मलिक, डॉ. दलीप, डॉ. विनोद गोयल, डॉ. राकेश, डॉ. निशा कुमारी व डॉ. महावीर मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	7.9.23	4	2-3

सरसों में उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए हकृवि को सर्वश्रेष्ठ केंद्र अवार्ड

हकृवि के तिलहन वैज्ञानिकों की टीम कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ।

जागरण संवाददाता, हिसार : राया-सरसों की फसल की दो नई उन्नत किस्में विकसित करने पर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को सरसों अनुसंधान एवं विकास कार्यों में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए सर्वश्रेष्ठ केंद्र अवार्ड से नवाजा गया। यह अवार्ड राया-सरसों अनुसंधान निदेशालय द्वारा जम्मू में आयोजित अखिल भारतीय राया एवं सरसों अनुसंधान कार्यकर्ताओं की वार्षिक बैठक में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सहायक महानिदेशक (तिलहन व दाल) डा. संजीव कुमार गुप्ता ने प्रदान किया।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि विवि के तिलहन वैज्ञानिकों की टीम ने हाल ही में सरसों की आरएच 1424 व आरएच 1706 नामक उन्नत किस्में विकसित की हैं। उन्होंने तिलहन वैज्ञानिक डा. रामअवतार व उनकी टीम को बधाई दी। अनुसंधान निदेशक डा. जीतराम शर्मा ने उम्मीद जताई कि सरसों की यह नई किस्में विशिष्ट विशेषताओं के कारण सरसों उत्पादक राज्यों में बहुत लोकप्रिय होंगी। अधिष्ठाता डा. एसके पाहुजा ने बताया कि सरसों अनुभाग के वैज्ञानिकों की टीम अब तक राष्ट्रीय व प्रदेश स्तर पर 21 किस्में विकसित कर चुकी है। ओएसडी डा. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डा. संदीप आर्य, तिलहन अनुभाग के अध्यक्ष डा. करमल सिंह, डा. श्वेता मलिक, दलीप, डा. विनोद गोयल, डा. राकेश मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	7.9.23	2	6-8

एचएयू के सरसों अनुसंधान केंद्र को सर्वश्रेष्ठ अवॉर्ड

सरसों की आरएच 1424 व आरएच 1706 नामक दो नई उन्नत किस्में विकसित कीं

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) को सरसों अनुसंधान एवं विकास कार्यों में बेहतर योगदान देने के लिए सर्वश्रेष्ठ केंद्र अवॉर्ड से नवाजा गया है। यह अवॉर्ड राया-सरसों अनुसंधान निदेशालय द्वारा जम्मू में आयोजित अखिल भारतीय राया एवं सरसों अनुसंधान कार्यकर्ताओं की वार्षिक बैठक में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सहायक महानिदेशक (तिलहन और दाल) डॉ. संजीव कुमार गुप्ता ने प्रदान किया।

कुलपति प्रो. कांबोज ने बताया कि विश्वविद्यालय के तिलहन वैज्ञानिकों की टीम ने हाल ही में सरसों की आरएच 1424 व आरएच 1706 नामक दो नई उन्नत किस्में विकसित की हैं। पैदावार व तेल की मात्रा में ये दोनों किस्में बहुत बेहतरीन हैं, जो सरसों उगाने वाले राज्यों में तिलहन उत्पादकता बढ़ाने में बहुत सहायक होगी। उन्होंने इस उपलब्धि पर तिलहन वैज्ञानिक डॉ. राम अवतार सहित उनकी टीम को बधाई दी।

अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने उम्मीद जताई कि सरसों की यह नई किस्में अपनी विशिष्ट विशेषताओं के कारण सरसों उत्पादक राज्यों में बहुत लोकप्रिय होंगी।

एचएयू के तिलहन वैज्ञानिकों की टीम के साथ कुलपति प्रो. बीआर कांबोज। फोटो : विवि

सरसों की अब तक 21 किस्में की विकसित

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि सरसों अनुभाग के वैज्ञानिकों की टीम अब तक राष्ट्रीय व प्रदेश स्तर पर 21 किस्में विकसित कर चुकी है। वर्ष 2018 में विकसित की गई किस्म आरएच 725 हरियाणा के अलावा राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली व बिहार राज्यों में बहुत लोकप्रिय है, जिसकी किसान 25-30 मण प्रति एकड़ आसानी से उपज प्राप्त कर रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	7.9.23	4	1-3

हकृवि के तिलहन वैज्ञानिकों की टीम कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ।

हकृवि को सरसों में उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए सर्वश्रेष्ठ केंद्र अवार्ड से नवाजा गया

हिसार, 6 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को सरसों अनुसंधान एवं विकास कार्यों में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए सर्वश्रेष्ठ केन्द्र अवार्ड से नवाजा गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह अवार्ड राया-सरसों अनुसंधान निदेशालय द्वारा जम्मू में आयोजित अखिल भारतीय राया एवं सरसों अनुसंधान कार्यकर्त्ताओं की वार्षिक बैठक में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सहायक महानिदेशक (तिलहन व दाल) डॉ. संजीव कुमार गुप्ता ने प्रदान किया।

कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के तिलहन वैज्ञानिकों की टीम ने हाल ही में सरसों की आरएच 1424 व आर.एच. 1706 नामक 2 नई उन्नत किस्में विकसित की हैं। पैदावार व तेल की मात्रा में ये दोनों किस्में बहुत बेहतरीन है जो सरसों उगाने वाले राज्यों में तिलहन उत्पादकता बढ़ाने में बहुत सहायक होगी। उन्होंने इस उपलब्धि पर तिलहन वैज्ञानिक डॉ. राम अवतार सहित उनकी टीम को बधाई दी। साथ ही भविष्य में इसी प्रकार गुणवत्ताशील अनुसंधान जारी रखने के लिए प्रेरित किया।

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि सरसों अनुभाग के वैज्ञानिकों की टीम अब तक राष्ट्रीय व प्रदेश स्तर पर 21 किस्में विकसित कर चुकी है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2018 में विकसित की गई किस्म आर.एच. 725 हरियाणा के अलावा राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली व बिहार राज्यों में बहुत लोकप्रिय है, जिसकी किसान 25-30 मण प्रति एकड़ आसानी से उपज प्राप्त कर रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	7.9.23	6	7-8

सरसों की आरएच-1424 व आरएच-1706 किस्मों से लें अधिक पैदावार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने विकसित की नई किस्में

हकृवि के तिलहन वैज्ञानिकों की टीम कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ।

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने सरसों की आरएच-1424 व आरएच-1706 नामक दो नई उन्नत किस्में विकसित की है। पैदावार व तेल की मात्रा में ये दोनों किस्में उत्तम हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि राया-सरसों अनुसंधान निदेशालय द्वारा जम्मू में आयोजित अखिल भारतीय राया एवं सरसों अनुसंधान कार्यकर्ताओं की वार्षिक बैठक में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के सहायक महानिदेशक तिलहन व दाल डॉ. संजीव कुमार गुप्ता ने अवॉर्ड प्रदान किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने बताया कि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि सरसों अनुभाग के वैज्ञानिकों की टीम अब तक राष्ट्रीय व प्रदेश स्तर पर 21 किस्में विकसित कर चुकी है। आरएच-725 हरियाणा के अलावा राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली व बिहार राज्यों में बहुत लोकप्रिय है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	7.9.23	5	4-5

हकृवि के तिलहन वैज्ञानिकों की टीम कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ।

हकृवि को सरसों में उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए सर्वश्रेष्ठ केंद्र अवार्ड से नवाजा

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने तिलहन वैज्ञानिकों को दी बधाई

हिसार, 6 सितंबर (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को सरसों अनुसंधान एवं विकास कार्यों में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए सर्वश्रेष्ठ केन्द्र अवार्ड से नवाजा गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह अवार्ड राया-सरसों अनुसंधान निदेशालय द्वारा जम्मू में आयोजित अखिल भारतीय राया एवं सरसों अनुसंधान कार्यकर्त्ताओं की वार्षिक बैठक में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के सहायक महानिदेशक (तिलहन व दाल) डॉ. संजीव कुमार गुप्ता ने प्रदान किया। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के तिलहन वैज्ञानिकों की टीम ने हाल ही में सरसों की आरएच 1424 व आरएच 1706 नामक दो नई उन्नत किस्में विकसित की हैं। पैदावार व तेल की मात्रा में ये दोनों किस्में बहुत बेहतरीन है जो सरसों उगाने वाले राज्यों में तिलहन उत्पादकता बढ़ाने में बहुत सहायक होगी। उन्होंने इस उपलब्धि पर तिलहन वैज्ञानिक डॉ. राम अवतार सहित उनकी टीम को बधाई दी। साथ ही भविष्य में इसी प्रकार गुणवत्ताशील अनुसंधान जारी रखने के लिए प्रेरित किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने उम्मीद जताई कि सरसों की यह नई किस्में अपनी विशिष्ट विशेषताओं के कारण सरसों उत्पादक राज्यों में बहुत लोकप्रिय होंगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	06.09.2023	--	--

सरसों में उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए हकृवि को मिला सर्वश्रेष्ठ केंद्र का अवार्ड

नभ छोर न्यूज >> 06 सितंबर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को सरसों अनुसंधान एवं विकास कार्यों में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए सर्वश्रेष्ठ केन्द्र अवार्ड से नवाजा गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह अवार्ड राया-सरसों अनुसंधान निदेशालय द्वारा जम्मू में आयोजित अखिल भारतीय राया एवं सरसों अनुसंधान कार्यकर्ताओं की वार्षिक बैठक में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के सहायक महानिदेशक (तिलहन व दाल) डॉ. संजीव कुमार गुप्ता ने प्रदान किया। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के तिलहन वैज्ञानिकों की टीम ने हाल ही में सरसों की आरएच 1424 व आरएच 1706 नामक दो नई उन्नत किस्में विकसित की हैं। पैदावार व तेल की मात्रा में ये दोनों किस्में बहुत बेहतरीन है जो सरसों उगाने वाले राज्यों में तिलहन उत्पादकता बढ़ाने में बहुत सहायक होगी। उन्होंने इस उपलब्धि पर तिलहन वैज्ञानिक डॉ. राम अवतार सहित उनकी टीम को बधाई दी। साथ ही भविष्य में इसी प्रकार गुणवत्तशील अनुसंधान जारी रखने के लिए प्रेरित किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने उम्मीद जताई कि सरसों की यह नई किस्में अपनी विशिष्ट विशेषताओं के कारण सरसों उत्पादक राज्यों में बहुत लोकप्रिय होंगी।

21 किस्में की जा चुकी हैं विकसित

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के.पाहुजा ने बताया कि सरसों अनुभाग के वैज्ञानिकों की टीम अब तक राष्ट्रीय व प्रदेश स्तर पर 21 किस्में विकसित कर चुकी है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2018 में विकसित की गई किस्म आरएच 725 हरियाणा के अलावा राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली व बिहार राज्यों में बहुत लोकप्रिय है, जिसकी किसान 25-30 मण प्रति एकड़ आसानी से उपज प्राप्त कर रहे है। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, तिलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. करमल सिंह सहित डॉ. श्वेता मलिक, डॉ. दलीप, डॉ. विनोद गोयल, डॉ. राकेश, डॉ. निशा कुमारी व डॉ. महाबीर मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	06.09.2023	--	--

हकृवि को सरसों में उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए सर्वश्रेष्ठ केंद्र अवार्ड से नवाजा गया

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार, 6 सितंबर। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को सरसों अनुसंधान एवं विकास कार्यों में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए सर्वश्रेष्ठ केन्द्र अवार्ड से नवाजा गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह अवार्ड राया-सरसों अनुसंधान निदेशालय द्वारा जम्मू में आयोजित अखिल भारतीय राया एवं सरसों अनुसंधान कार्यकर्ताओं की वार्षिक बैठक में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के सहायक महानिदेशक (तिलहन व दाल) डॉ. संजीव कुमार गुप्ता ने प्रदान किया। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के तिलहन वैज्ञानिकों की टीम ने हाल ही में सरसों की आरएच 1424 व आरएच 1706 नामक दो नई उन्नत किस्में विकसित की हैं। पैदावार व तेल की मात्रा में ये दोनों किस्में बहुत बेहतरीन हैं जो सरसों उगाने वाले राज्यों में तिलहन उत्पादकता बढ़ाने में बहुत सहायक होंगी। उन्होंने इस उपलब्धि पर तिलहन वैज्ञानिक डॉ. राम अवतार सहित उनकी टीम को बधाई दी। साथ ही भविष्य में इसी प्रकार गुणवत्ताशील अनुसंधान जारी रखने के लिए प्रेरित किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने उम्मीद जताई कि सरसों की यह नई किस्में अपनी विशिष्ट विशेषताओं के कारण सरसों उत्पादक राज्यों में बहुत लोकप्रिय होंगी। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि सरसों अनुभाग के वैज्ञानिकों की टीम

अब तक राष्ट्रीय व प्रदेश स्तर पर 21 किस्में विकसित कर चुकी है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2018 में विकसित की गई किस्म आर.एच. 725 हरियाणा के अलावा राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली व बिहार राज्यों में बहुत लोकप्रिय है, जिसकी किसान 25-30 मन प्रति एकड़ आसानी से उपज प्राप्त कर रहे हैं। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, तिलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. करमल सिंह सहित डॉ. श्वेता मलिक, डॉ. दलीप, डॉ. विनोद गोयल, डॉ. राकेश, डॉ. निशा कुमारी व डॉ. महावीर मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	06.09.2023	--	--

हकृवि को सरसों में उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए सर्वश्रेष्ठ केंद्र अवार्ड से नवाजा गया

हकृवि के तिलहन वैज्ञानिकों की टीम कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ।

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को सरसों अनुसंधान एवं विकास कार्यों में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए सर्वश्रेष्ठ केंद्र अवार्ड से नवाजा गया है। यह अवार्ड राया-सरसों अनुसंधान निदेशालय द्वारा जम्मू में आयोजित अखिल भारतीय राया एवं सरसों अनुसंधान कार्यकर्ताओं की वार्षिक बैठक में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के सहायक महानिदेशक (तिलहन व दलहन) डॉ. संजीव कुमार गुप्ता ने प्रदान किया।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय के तिलहन वैज्ञानिकों की टीम ने हाल ही में सरसों की आरएच 1424 व आरएच 1706 नामक दो नई उन्नत किस्में विकसित की हैं। पैदावार व तेल की मात्रा में ये दोनों किस्में बहुत बेहतरीन है जो सरसों उगाने वाले राज्यों में तिलहन उत्पादकता बढ़ाने में बहुत सहायक होंगी। उन्होंने इस उपलब्धि पर तिलहन वैज्ञानिक डॉ. राम अवतार सहित उनकी टीम को बधाई दी।

अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने उम्मीद जताई कि सरसों की यह नई किस्में अपनी विशिष्ट विशेषताओं के कारण सरसों उत्पादक राज्यों में बहुत लोकप्रिय होंगी। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि सरसों अनुभाग के वैज्ञानिकों की टीम अब तक राष्ट्रीय व प्रदेश स्तर पर 21 किस्में विकसित कर चुकी है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2018 में विकसित की गई किस्म आर.एच. 725 हरियाणा के अलावा राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली व बिहार राज्यों में बहुत लोकप्रिय है, जिससे किसान 25-30 मण प्रति एकड़ आसानी से उपज प्राप्त कर रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	7.9.23	6	1-6

भास्कर खास • चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने कपास की फसल के बचाव को लेकर एडवाइजरी जारी की

कपास की फसल के 20 प्रतिशत टिंडों में सुंडी मिलने पर कीटनाशक का छिड़काव करें

वशपाल सिंह | हिसार

कपास की फसल पर इस समय फूल, बौकी व टिंडे आते हैं। नरमा की फसल में सितंबर में गुलाबी सुंडी का प्रकोप होता है। सप्ताह में दो बार 100 फूलों का निरीक्षण जरूर करें। यदि 5 से 10 फूल गुलाबी सुंडी से ग्रसित मिलते हैं या 20 टिंडों में 1 से 2 में गुलाबी सुंडी मिलती है तो कीटनाशक के 2-3 छिड़काव लगातार करें। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि देशी कपास में इस माह चित्तीदार सुंडी का प्रकोप होता है। नरमा में सफेद मक्खी व हरे तेला का भी प्रकोप होता है, इसलिए इसकी निगरानी करें। सफेद मक्खी के व्यस्क एवं हरा तेला के शिशु को गिनती कर प्रति पत्ता औसत निकाल लें।

प्रोफेनोफोस का छिड़काव करें

डा. जीतराम शर्मा ने बताया कि गुलाबी सुंडी की निगरानी के लिए 2 फेरोमोन ट्रैप प्रति एकड़ लगाएं तथा इनमें फंसने वाले गुलाबी सुंडी के पतंगों को 3 दिनों के अंतराल पर गिनती करें। मध्य अगस्त से अक्टूबर तक इनमें कुल 24 पतंगे प्रति ट्रैप तीन रातों में आते हैं तो कीटनाशक के छिड़काव की जरूरी है। 90-120 दिनों की फसल में सुंडी का प्रकोप फलीय भागों पर 5-10 % होने पर एक छिड़काव प्रोफेनोफोस (क्यूराक्रॉन, सेलक्रॉन, कैरिना) 50 ईसी की 800 मिली. मात्रा को 200 लीटर पानी प्रति एकड़ की दर से करें।

फलीय पौधों पर 5% प्रकोप तो बचाव करें

कपास अनुभाग के प्रभारी डॉ. करमल सिंह ने बताया कि चित्तीदार सुंडी का प्रकोप फलीय भागों पर 5 प्रतिशत मिलने पर एक छिड़काव 75 मिलीलीटर स्पाइनोसैड (ट्रैसर) 45 एससी को 150-175 लीटर पानी प्रति एकड़ की दर से करें। सफेद मक्खी यदि 6-8 प्रौढ़ प्रति पत्ता एवं हरा तेला 2 शिशु प्रति पत्ता मिलते हैं तो फ्लोनिकैमिड (उलाला) 50 डब्लूजी की 60 ग्राम मात्रा या एफिडोपाइरोपेन (सैफीना) 50 जीएल की 400 मिली मात्रा को प्रति 200 लीटर पानी प्रति एकड़ की दर से एक छिडक़ाव करें। डॉ. अनिल जाखड़ ने बताया कि सफेद मक्खी का ज्यादा प्रकोप होने पर इसके प्रबंधन के लिए पाईरीप्रोक्सिफेन (डायटा) 10 ईसी की 400 मिलीलीटर मात्रा प्रति 200 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।